an>

Title: Need to speed up the process for construction of Wadsa-Gadchiroli and Nagpur-Nagbheed railway lines in Maharashtra.

श्री अशोक महादेवराव नेते (गढ़चिरोली-चिमुर) ः महाराष्ट्र सरकार ने नक्सलवाद से बुरी तरह प्रभावित गड़चिरौली आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र की वड़सा-गड़चिरौली एवं नागपुर-नागभीड़ रेलवे लाईन से संबंधित प्रकल्पों के शीघ्र कार्यान्वयन हेतु केंद्र सरकार को प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। महाराष्ट्र सरकार ने नक्सलवाद से प्रभावित इन रेलवे लाईनों के निर्माण कार्य में व्यय होने वाली राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा केंद्रीय गृह मंत्रालय, 25 प्रतिशत हिस्सा रेल मंत्रालय एवं 25 प्रतिशत हिस्सा स्वयं वहन किए जाने की पहल की है।

आदिवासी एवं नक्सलवादी क्षेत्र में स्थित वड़सा-गढ़चिरोली रेलवे लाईन को वर्ष 2011-12 में स्वीकृत किया गया था, जिसकी दूरी 49.5 कि.मी. है। रेलवे बोर्ड द्वारा इसका संशोधित प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया गया है तथा फाईनल लोकेशन सर्वे एवं भू-तकनीकी सर्वे भी पूरा किया जा चुका है। बजट में निधि आवंटन भी हो चुकी है, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हुआ। इसी क्षेत्र में स्थित नागपुर-नागभीड़ की दूरी 106 कि.मी. है, जिसको 2012-13 के बजट भाषण में स्वीकृत किया गया था। इसका भी संशोधित प्राक्कलन विद्युतीकरण के साथ तैयार है। निधि का आवंटन तो हुआ है, लेकिन खर्चा करने के लिए नीति आयोग की मंजूरी नहीं है। तुरंत मंजूरी देना जरूरी है।

आज देश नक्सलवाद से बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसका एक प्रमुख कारण इन क्षेत्रों का अविकसित होना ही है। यदि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास करके वहां के लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने का सतत प्रयास किया जाए तो नक्लसवाद की समस्या से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह नक्सलवाद से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्र की उपर्युक्त दोनों रेलवे लाईनों के निर्माण के कार्य को तीव्र गति से पूरा किए जाने हेतु शीघ्र पहल करें। ताकि इस क्षेत्र का विकास हो सके और इस क्षेत्र को नक्सलवाद की समस्या से निज़ात मिले, वहां के युवक देश की मुख्य धारा से जुड़ सकें।